



Ankit A Sinha



Somya

Model: Web-MilanKundli

Order No: 117583801

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 09/07/1992 : _____ जन्म तिथि _____ : 20/02/1995
 गुरुवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 09:02:00 : _____ जन्म समय _____ : 18:04:00 घंटे
 घटी 09:51:55 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 29:16:41 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Patna : _____ स्थान _____ : Begusarai
 25:35:38 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 25:25:05 उत्तर
 85:08:38 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 86:07:05 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:10:35 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:14:28 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:05:13 : _____ सूर्योदय _____ : 06:17:15
 18:43:49 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:41:43
 23:45:27 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:47:33

सिंह : _____ लग्न _____ : सिंह
 सूर्य : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : सूर्य
 तुला : _____ राशि _____ : तुला
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 स्वाति : _____ नक्षत्र _____ : स्वाति
 राहु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 4 : _____ चरण _____ : 2
 साध्य : _____ योग _____ : वृद्धि
 गर : _____ करण _____ : गर
 ता-तरुण : _____ जन्म नामाक्षर _____ : रे-रेणुका
 कर्क : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मीन
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 महिष : _____ योनि _____ : महिष
 देव : _____ गण _____ : देव
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 सर्प : _____ वर्ग _____ : मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
राहु 1वर्ष 9मा 4दि
शनि
13/04/2010
13/04/2029

शनि	16/04/2013
बुध	25/12/2015
केतु	02/02/2017
शुक्र	04/04/2020
सूर्य	17/03/2021
चन्द्र	16/10/2022
मंगल	25/11/2023
राहु	01/10/2026
गुरु	13/04/2029

अंश

14:11:56
23:25:19
18:41:43
23:58:14
19:14:24
17:16:00
00:25:26
23:24:47
06:52:21
06:52:21
22:13:30
23:49:33
26:31:13

राशि

सिंह
मिथु
तुला
मेष
कर्क
सिंह
कर्क
मक व
धनु
मिथु
धनु व
धनु व
तुला व

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल व
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

सिंह
कुंभ
तुला
कर्क
मक
वृश्चि
धनु
कुंभ
तुला
मेष
मक
मक
वृश्चि

अंश

13:21:06
07:36:36
11:14:50
25:49:49
12:49:48
19:12:02
24:04:55
19:33:48
14:01:53
14:01:53
04:34:22
00:36:45
06:46:21

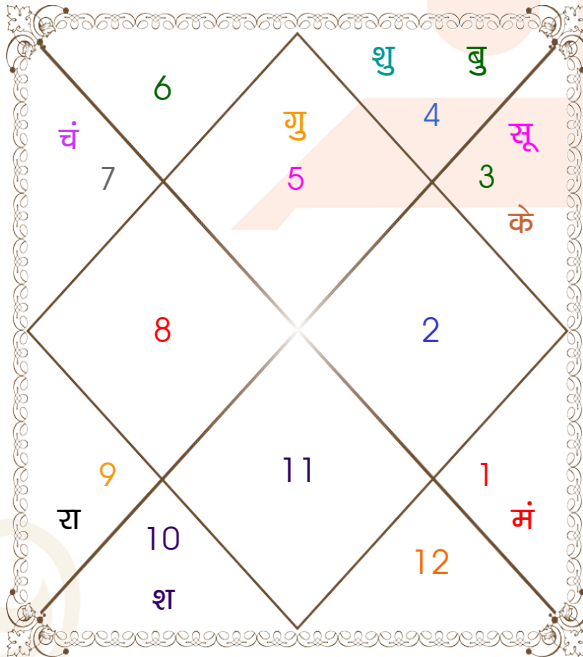
विंशोत्तरी

राहु 11वर्ष 9मा 24दि
शनि
15/12/2022
15/12/2041

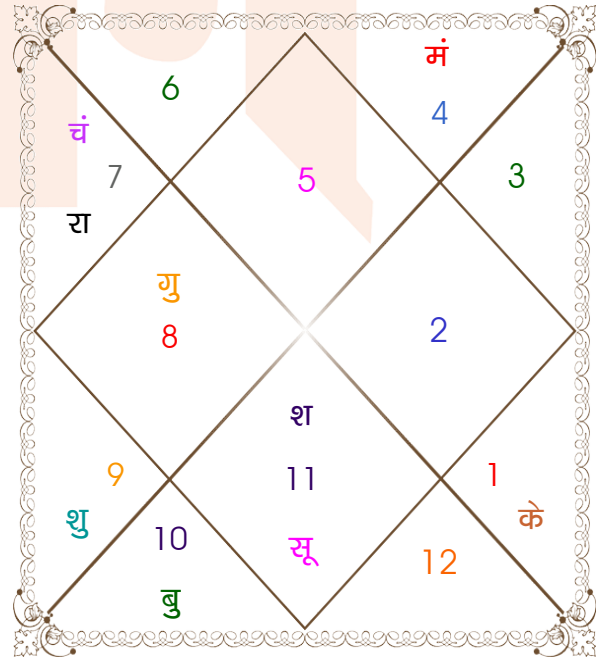
शनि	18/12/2025
बुध	27/08/2028
केतु	06/10/2029
शुक्र	05/12/2032
सूर्य	17/11/2033
चन्द्र	19/06/2035
मंगल	28/07/2036
राहु	04/06/2039
गुरु	15/12/2041

23:45:27 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:33

लग्न-चलित



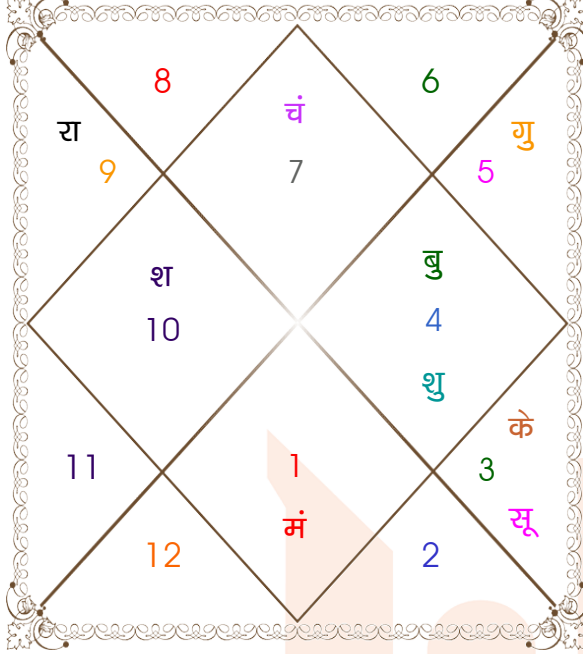
लग्न-चलित



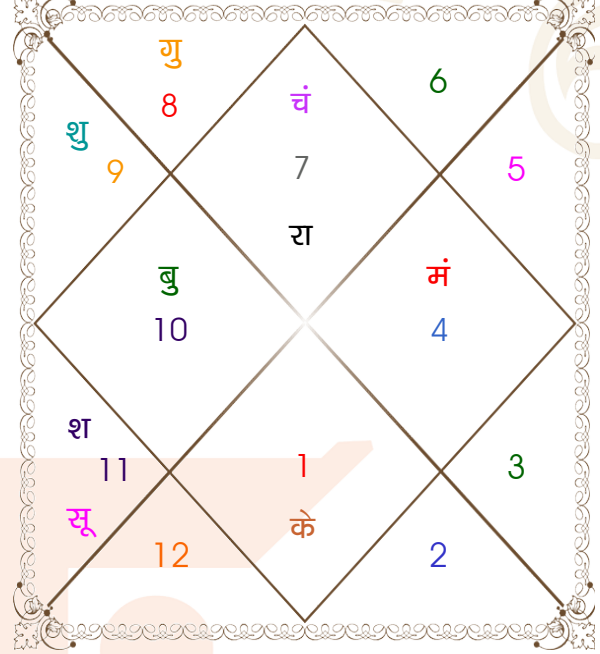
FUTUREPOINT
Astro Solutions



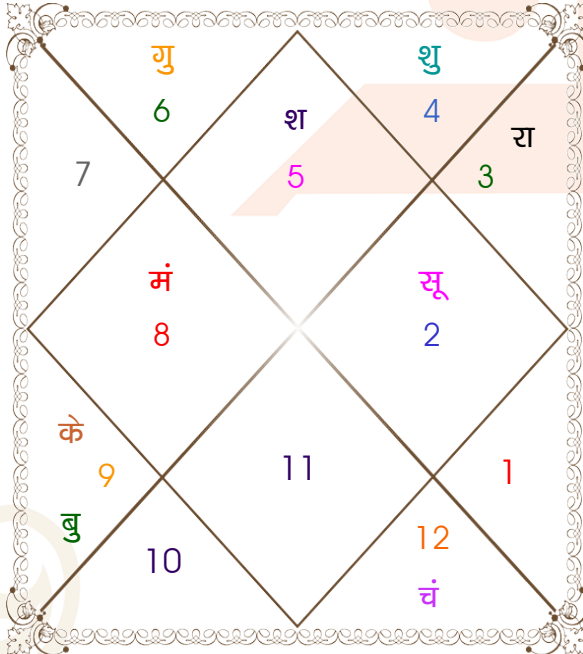
चन्द्र कुंडली



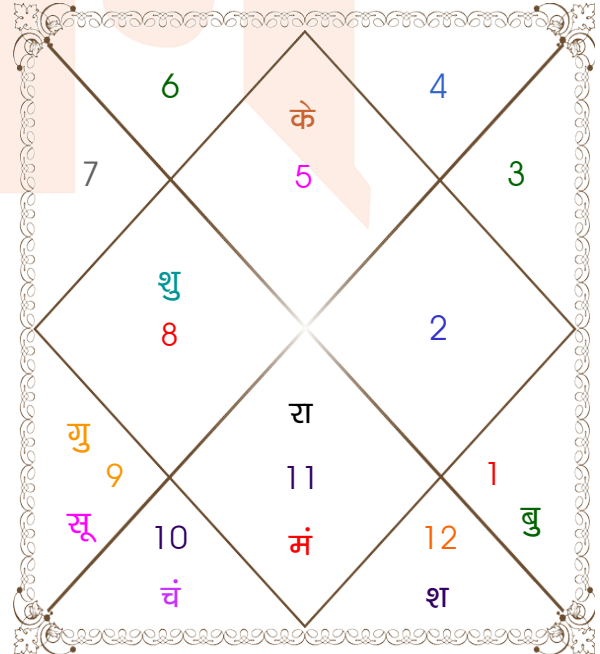
चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



नवमांश कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Ankit A Sinha का वर्ग सर्प है तथा Somya का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Ankit A Sinha और Somya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ankit A Sinha मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Somya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Somya कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्रि, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Somya कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ankit A Sinha कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ankit A Sinha तथा Somya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

